वर्ष-11 | अंक-26 | भोपाल, 16 फरवरी से 22 फरवरी 2026 तक

पृष्ठ-12 | RNI NO. MPHIN/2015/63623

साप्ताहिक

न्यूज क्राइम फाइल

मुल्य- 02 रूपये

ग्वालियर, भिंड, मुरैना, छतरपुर, सागर, विदिशा, रायसेन, सिवनी, जबलपुर, रीवा, सतना, होशंगाबाद, हरदा एवं इंदौर में प्रसारित।

नोहलेश्वर महोत्सव आस्था के साथ संस्कृति का उत्सव : मुख्यमंत्री

आस्था के सभी स्थलों का विकास कर रही सरकार

नोहटा को बनाया जाएगा नगर परिषद

दमोह में 2 करोड़ रूपए से बनेगा गीता भवन

600 करोड़ रूपए की नई सिंचाई परियोजना से खेत होंगे सिंचित

33 गांवों को मिलेगा लाभ

पूरे बुंदेलखंड के विकास के लिए प्रतिबद्धता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार दमोह के साथ पूरे बुंदेलखंड के विकास के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। दमोह के तेंदूखेड़ा में 165 करोड़ की नई योजना को स्वीकृति दी गई है। दमोह के लिए नया फोर लेन भी मंजूर किया गया है। दमोह में पर्यटन के साथ उद्योगों को बढ़ावा दिया जा रहा है। राज्य सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि सहित सभी क्षेत्रों में समान रूप से प्रयास कर रही है। दमोह जिले में जैविक खेती के प्रोत्साहन के लिए जैविक हाट लगाए जा रहे हैं। अब तक जिले में 69 जैविक हाटों में 28 लाख रुपए के उत्पादों की बिक्री हुई है। उन्होंने जिला प्रशासन द्वारा किसानों को खाद वितरण के लिए की गई ई-टोकन की व्यवस्था की सराहना की।

उदय प्रताप सिंह चौहान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नोहलेश्वर महादेव की महिमा ऐसी है जो यहाँ एक बार आता है, उसका मन बार-बार यहां आने को करता है। कृपावंत, कृपाशंकर भगवान नोहलेश्वर महादेव के आशीर्वाद से हम प्रदेश के विकास और जनकल्याण के लिए पूरी ऊर्जा और जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ रहे हैं। नोहलेश्वर महोत्सव आस्था ही नहीं, स्थानीय संस्कृति, परम्परा और सामाजिक समरसता का भी उत्सव है। हमारी सरकार आस्था के स्थलों के संरक्षण और पर्यटन विकास के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को दमोह जिले के ग्राम नोहटा में नोहलेश्वर महोत्सव मेले के अवसर पर आयोजित किसान सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मेले का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। साथ ही नोहलेश्वर मंदिर परिसर और मेला परिसर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई विकास प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने क्षेत्रीय जनता की मांग पर नोहटा को परीक्षण के उपरांत नगर परिषद बनाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दमोह में 2 करोड़ रूपए की लागत से गीता भवन का निर्माण किया जाएगा। दमोह जिले में बांदकपुर-सेमरखो जलाशय की क्षमता में वृद्धि कर 600 करोड़ रूपए की नई सिंचाई परियोजना विकसित की जाएगी। इससे जिले के 33 गांवों के खेतों को सिंचाई के लिये भरपूर पानी मिलेगा। दमोह में 10 करोड़ रूपए की लागत से वॉटर स्पोर्ट्स, बोट क्लब सहित अन्य पर्यटन गतिविधियों का विकास किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि तेंदूखेड़ा और हटा में खेल गतिविधियों के प्रोत्साहन के लिए नए स्टेडियम बनाए जाएंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सुप्रसिद्ध भजन गायिका शहनाज अख्तर का अभिनंदन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसान हमारे अन्नदाता हैं। उनकी खुशहाली और समृद्धि से ही देश खुशहाल बनेगा। उन्होंने कहा कि हम खेती के साथ पशुपालन को भी प्रोत्साहन दे रहे हैं। कृषि, पशुपालन और खाद्य प्रसंस्करण बढ़ाना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पशुपालन से दूध उत्पादन बढ़ेगा। हमने प्रदेश का दूध उत्पादन 9 से बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक करने का लक्ष्य रखा है। हमारी सरकार पशुपालन, गौपालन और गौ-संरक्षण की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किसी भी देश के साथ रिश्तों में किसानों के हितों से कभी समझौता नहीं किया। खेतों में किसान और सीमा पर जवान, दोनों हमारे लिए बराबर सम्मान रखते हैं। राज्य सरकार किसानों के स्वास्थ्य का भी विशेष ध्यान रख रही है। विकास कार्यों को गति देने में हमारी सरकार सदैव जनता के साथ खड़ी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय संस्कृति में माताओं-बहनों का स्थान सर्वोपरि है। हम अपने देश को भी माता का दर्जा देते हुए भारत माता कहकर सम्मान देते हैं। माताएं-बहनें हमारे परिवार की गरिमा हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार हमेशा लाड़ली बहनों के साथ है। लाड़ली बहनों को हर महीने 1500 रुपए की सहायता राशि दी जा रही है। वे अपनी मेहनत और निष्ठा से पूरे कुल, खानदान, परिवार का लालन-पालन करती हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दमोह में औद्योगिक प्रक्षेत्र के विकास के साथ क्षेत्र के युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। सूखे खेत को पानी मिल जाए, तो फसल सोने जैसी हो जाती है। दमोह जिले को देश की पहली नदी जोड़ो केन-बेतवा लिंक परियोजना से सिंचाई के लिए पानी मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने पहली बार श्रीकृष्ण जन्माष्टमी और गीता जयंती को भव्यता के साथ मनाने की शुरुआत की। मध्यप्रदेश, देश का एकमात्र राज्य है, जो विकास के साथ विरासत का भी संरक्षण कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नोहटा का नोहलेश्वर मंदिर 1100 साल से अधिक प्राचीन है, जिसे कलचुरी साम्राज्य में महारानी नोहला ने बनवाया था। नोहलेश्वर महोत्सव के आयोजन से इस क्षेत्र के पर्यटन को नई ऊर्जा मिल रही है।

साप्ताहिक न्यूज क्राइम फाइल
भोपाल, 16 फरवरी से 22 फरवरी 2026

दमोह लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री राहुल सिंह लोधी की सुपुत्री, संस्था सिंह के अल्पायू में दुःखद निधन का समाचार अत्यंत मर्माहत करने वाला है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिवार को इस कठिन समय में धैर्य एवं संबल प्रदान करें।

गोपाल भार्गव -विधायक रहली, पूर्व मंत्री

31 ईरानियों को कोर्ट ने जेल भेजा

ईरानी डेरे में दुबका था यूपी का एक लाख का इनामी, 14 के रिकॉर्ड मिले

न्यूज क्राइम फाइल

कॉम्बिंग गश्त के दौरान मंगलवार-बुधवार की दरम्यानी रात निशातपुरा की अमन कॉलोनी स्थित ईरानी डेरे से गिरफ्तार 31 ईरानियों को गुरुवार को कोर्ट पेश किया गया, जहां से सभी को जेल भेज दिया गया। 8 महिला आरोपियों को पुलिस ने नोटिस देकर थाने से छोड़ दिया है। गिरफ्तार किए गए 14 ईरानियों के अन्य राज्यों में भी अपराध मिले हैं।

एक बदमाश शहादत हुसैन के ऊपर प्रतापगढ़ (उप्र) पुलिस ने एक लाख रुपए का इनाम घोषित कर रखा है, जिसे प्रतापगढ़ पुलिस राजगढ़ से पूछताछ के लिए लेकर जाएगी। आरोपी अभी राजगढ़ पुलिस की रिमांड पर है। निशातपुरा पुलिस ने अन्य राज्यों की पुलिस को भी आरोपियों की गिरफ्तारी की सूचना भेजी है।

पुलिस सर्चिंग के दौरान ईरानी डेरे से सोना तौलने का तौल कांटा भी मिला है। यहां बता दें कि इससे पहले 27-28 दिसंबर की रात भी अमन कॉलोनी ईरानी डेरे से 30 ईरानियों को गिरफ्तार किया था।

शहादत ने 2013 में की थी लूट की वारदात

मंगलवार-बुधवार की रात गिरफ्तार किए गए आरोपी ईरानियों के फिंगर प्रिंट मिलान के लिए पुलिस ने नेफीस में अपलोड किए थे। इसके बाद पुलिस को 14 ईरानियों नाजमा अली, शब्बीर खान, वसीम खान, काजी खान, सज्जाद हुसैन, जहीर अली, जाफर अली, जावेद अली, शब्बीर अली उर्फ एपी, नबी हसन, अमजद अली, हैदर जब्बार जाफरी, मुजाहिद हुसैन और शहादत हुसैन का आपराधिक रिकॉर्ड मिले हैं। शब्बीर खान के खिलाफ कर्नाटक, निशातपुरा, शाजापुर और राजगढ़ में 6 अपराध की जानकारी नेफीस पर मिली है। सज्जाद हुसैन ने बारामूला (जम्मू एंड काश्मीर) तेलंगाना, आंध्रप्रदेश और महाराष्ट्र में अपराध किए हैं। शहादत हुसैन को 2013 में एक अपराध में सजा हुई थी।

उसके खिलाफ प्रतापगढ़ थाना कोतवाली में लूट का मामला दर्ज है, जिसमें 1 लाख का ईनाम घोषित है। इन 14 ईरानियों के खिलाफ मप्र समेत अन्य राज्यों में 24 अपराध दर्ज हैं।

640 ग्राम सोना-240 ग्राम चांदी समेत 17 वाहन जब्त पुलिस ने सर्चिंग के दौरान डेरे से 5 स्थायी वारंटी, जिनके खिलाफ 07 स्थायी वारंट जारी हुए थे, उन्हें गिरफ्तार किया है। बदमाशों से चोरी के संदेह में 17 दो पहिया वाहन, 39 मोबाइल, करीब 1 करोड़ रुपए कीमत का 640 ग्राम सोना एवं 240 ग्राम चांदी के जेवर जब्त किए गए हैं। सोने-चांदी के जेवरों को वजन करने के लिए ईरानियों ने डेरे में तौल कांटा भी रखा था, जो पुलिस ने जब्त किया है। नाजमा अली से 1 किलो 700 ग्राम गांजा भी जब्त किया गया है।

चीन और नेपाल तक फैला था तस्करी का जाल: अंतरराष्ट्रीय बाघ शिकारी कल्ला को 4 साल की जेल

न्यूज क्राइम फाइल

नर्मदापुरम जिले में स्पेशल वाइल्ड लाइफ कोर्ट ने कुख्यात अंतरराष्ट्रीय बाघ शिकारी और तस्कर आदिन सिंह उर्फ कल्ला बावरिया और उसके दो साथियों रिंडिक टेरोंपी और पुजारी सिंह बाबरिया को वाइल्ड लाइफ प्रोटेक्शन एक्ट के तहत दोषी करार देते हुए 4-4 साल सश्रम कैद की सजा सुनाई है।

रिंडिक टेरोंपी और पुजारी सिंह बाबरिया को 2025 में असम और पंजाब से गिरफ्तार किया गया था। इस वाइल्ड लाइफ तस्करी सिंडिकेट के खिलाफ पड़ोसी देश नेपाल में भी अपराध दर्ज हैं। मध्य प्रदेश सरकार केंद्र के माध्यम से कल्ला बावरिया को नेपाल को सौंपने की कार्यवाही करेगी, ताकि दक्षिण एशिया में फैले बाघ शिकारियों के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क को खत्म किया जा सके।

आदिन सिंह उर्फ कल्ला बावरिया पंजाब के होशियारपुर का निवासी है और लंबे समय से सीबीआई नई दिल्ली का वांछित भगोड़ा रहा है। वह इंटरपोल और सीबीआई की रेड लिस्ट में शामिल है। मप्र स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स

कल्ला रिंडिक पुजारी सिंह

(एसटीएसएफ) ने उसे 18 अगस्त 2023 को विदिशा के लटेरी से गिरफ्तार किया था।

जांच में सामने आया कि उसका नेटवर्क नेपाल तक फैला था, जहां 2012 में उसके खिलाफ बाघ के शिकार का मामला दर्ज हुआ था। एसटीएसएफ की रिपोर्ट के मुताबिक गिरोह मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और तमिलनाडु से तस्करी कर चीन तक अंग सप्लाई करता था।

48 लाख का वर्कऑर्डर जारी, 30 दिन में इंस्टॉलेशन

न्यूज क्राइम फाइल

शहर में बढ़ते ट्रैफिक दबाव को नियंत्रित करने के लिए चार अहम स्थानों पर ट्रैफिक सिग्नल लगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। बावड़िया कला आरओबी (दानापानी चौराहा) और बावड़िया कला चौराहा को मंजूरी मिलने के बाद अब कॅरियर कॉलेज तिराहा और साक्षी ढाबा चौराहा को भी इस सूची में शामिल किया गया है। पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने यहां सिग्नल लगाने के वर्कऑर्डर जारी करवाए हैं। चारों स्थानों पर सिग्नल लगाना और तीन साल के मेंटेनेंस के लिए 48 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं। यानी करीब 12 लाख रुपए प्रति सिग्नल स्पॉट खर्च होंगे। संबंधित एजेंसी को 30 दिनों के भीतर सिग्नल लगाने होंगे। इन चौराहों- तिराहों पर तेजी से बढ़ते ट्रैफिक दबाव और ट्रैफिक पुलिस के सीमित स्टाफ के कारण मैन्युअल कंट्रोल संभव नहीं हो पा रहा था।

महाराष्ट्र के नगर निगम चुनावों में भाजपा व सहयोगी दलों की ऐतिहासिक जीत पारदर्शी प्रशासन, जवाबदेह शासन और जनता के विश्वास की प्रबल अभिव्यक्ति है।
योगी आदित्यनाथ- मुख्यमंत्री उत्तरप्रदेश

एमपी में कारोबार और उद्योगों के नियम कायदे होंगे सरल

सीएस ने 31 मई तक विभागों को बदलाव के प्रस्ताव देने कहा, राज्यों की बेस्ट प्रैक्टिस परिवेश पोर्टल पर

न्यूज क्राइम फाइल

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने प्रदेश में व्यवसाय और उद्योगों सहित जनमानस से जुड़े 28 प्राथमिक क्षेत्रों के नियम-कायदों का सरलीकरण करने के लिए कहा है। उन्होंने कहा है कि इससे संबंधित विभाग 31 मई तक अनुशंसाएं और आवश्यक परिवर्तन पेश करें ताकि आगे की कार्यवाही का फैसला किया जा सके। इस बैठक में यह जानकारी दी गई कि ईज ऑफ डूईंग बिजनेस के फर्स्ट फेज में 23 प्राथमिकता क्षेत्र में मध्यप्रदेश को देश में दूसरी रैंक मिली है। केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय की सचिव एवं ईज ऑफ डूईंग बिजनेस टास्क फोर्स की चेयरपर्सन नीलम शमी राव की उपस्थिति में शुक्रवार को मंत्रालय में हुई टास्क फोर्स की बैठक में मुख्य सचिव जैन ने कहा कि मध्यप्रदेश ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और अन्य तरह के रिफार्म में अग्रणी है।

सीएस कॉन्फ्रेंस में भी मध्यप्रदेश की बेस्ट प्रैक्टिस की तारीफ की गई है। उन्होंने कहा कि देश में मध्यप्रदेश सर्वश्रेष्ठ 5 राज्यों में शामिल हैं, इसलिए जरूरी है कि प्राथमिकता क्षेत्र के नियमों और कानूनों को आसान बनाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय बैंच मार्क के हिसाब से बदलाव किए जाएं। भारत सरकार के संबंधित विभागों से समन्वय करने के साथ ही उच्च अधिकार समिति से भी मार्गदर्शन लिया जा सकता है। मुख्य सचिव जैन ने टास्क फोर्स की अध्यक्ष को सुझाव दिया कि पीएम प्रगति पोर्टल से परिवेश पोर्टल को जोड़ने से सभी राज्यों में अपनाई जाने वाली बेस्ट प्रैक्टिस और वहां के रिफार्म से सभी को जानकारी मिल सकेगी। उन्होंने स्कूल शिक्षा के लिए सीबीएससी और उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए यूजीसी से एक जैसे नियम कानून बनाने की सलाह भी दी। मुख्य सचिव जैन ने बताया कि मध्यप्रदेश ने म.प्र. जन विश्वास संशोधन और प्रावधान एक्ट 2024 और 2025 के माध्यम से प्रदेश में रिफार्म और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के लिए राज्य के 26 कानूनों में 108 प्रावधान किए हैं। इससे उद्योग और व्यवसाय लगाना और संचालन आसान हुआ है।

टास्क फोर्स की अध्यक्ष नीलम शमी राव ने ईज ऑफ डूईंग बिजनेस के फर्स्ट फेज में 23 प्राथमिकता क्षेत्र में मध्यप्रदेश को देश में दूसरी रैंक हासिल करने पर बधाई दी। उन्होंने बताया कि दूसरे चरण में 5 और प्राथमिकता क्षेत्रों को शामिल किया गया है। उन्होंने पूर्व के 23 क्षेत्रों के अलावा ऊर्जा, पर्यटन, पर्यावरण शिक्षा और हेल्थ केयर को भी प्राथमिकता क्षेत्र में शामिल होने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अपने राज्यों की बेस्ट प्रेक्टिस को पोर्टल पर दर्ज करें। टास्क फोर्स ने सभी राज्यों के नियमों के सरलीकरण और रिफार्म के लिए 30 जून 2026 तिथि तय की है। इससे पहले वन, उच्च शिक्षा, नगरीय प्रशासन एवं विकास, उद्योग, स्वास्थ्य, शिक्षा, ऊर्जा, पर्यटन आदि विभागों के अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिवों ने आगामी समय में नियम-कानूनों में किए जाने वाले सरलीकरण की जानकारी दी। प्रमुख सचिव उद्योग एवं निवेश प्रोत्साहन राघवेन्द्र सिंह ने मध्यप्रदेश में जन विश्वास अधिनियम और नियम-कानूनों के सरलीकरण के बाद उद्योग और व्यवसाय आदि में हुई सुगमता का प्रस्तुतीकरण दिया।

एमपी के 1.32 करोड़ लोगों को बिना दिक्कत मिलेगा राशन

5 दिन से सर्वर डाउन रहा; 28 हजार दुकानों की बायोमेट्रिक मशीनें नहीं चली

न्यूज क्राइम फाइल

मध्य प्रदेश के 1 करोड़ 32 लाख लोगों को अब बिना किसी दिक्कत के राशन मिलेगा। पिछले 5 दिन से 28 हजार से ज्यादा राशन दुकानों की बायोमेट्रिक (क्ष्मस) मशीनें सर्वर डाउन होने से नहीं चली थी। इस कारण लोगों को राशन नहीं मिल पा रहा था। गुरुवार को तकनीकी समस्या दूर की गई। अफसरों का कहना है कि शुक्रवार से नियमित रूप से राशन का वितरण किया जाएगा।

राशन दुकानों पर विजन टेक कंपनी ने बायोमेट्रिक मशीन लगाई है। इसमें अंगूठा लगाने के बाद ही राशन दिया जाता है। इसी मशीन में दिक्कतें हो रही थीं। पिछले 5 दिन से सर्वर डाउन रहा। इस वजह से राशन का वितरण नहीं हो पा रहा था।

जिला आपूर्ति अधिकारी चंद्रभान सिंह जादौन ने बताया कि पिछले 5 दिन से सर्वर में दिक्कत आ रही थीं। वहीं, मशीनों में अपग्रेडशन हो रहा था। सॉफ्टवेयर भी अपडेट हो रहा था। इस कारण राशन का वितरण नहीं हो सका। गुरुवार को समस्या दूर हो गई। शुक्रवार को नियमित रूप से बिना दिक्कत के राशन का वितरण हो सकेगा।

भोपाल में 502 दुकानें, साढ़े 3 लाख हितग्राही राशन के दायरे में एमपी के 1 करोड़ 32 लाख 45 हजार 841 लोग आते हैं। इन्हें 28 हजार 70 दुकानों से राशन का वितरण हो रहा है। भोपाल में 502 दुकानें हैं। जहां से 3.50 लाख लोगों को राशन वितरण होता है।

इतना मिलता है राशन प्राथमिक परिवार को 5 किलोग्राम प्रति सदस्य के हिसाब से राशन दिया जाता है। इनमें 4 किलो गेहूं और 1 किलो फोर्टिफाइड चावल शामिल हैं। अंत्योदय परिवार को 35 किलो (प्रति परिवार) राशन दिया जाता है। इसमें 30 किलो गेहूं, 5 किलो चावल शामि हैं। इसके अलावा एक किलो शकर और एक किलो नमक भी दिया जाता है।

साप्ताहिक
न्यूज क्राइम फाइल
भोपाल, 16 फरवरी से 22 फरवरी 2026

महाराष्ट्र के नगरीय निकाय चुनावों में भाजपा व सहयोगी दलों की ऐतिहासिक विजय NDA सरकार की जनहितैषी नीतियों पर जनता के अटूट विश्वास की मुहर है।
हेमंत खंडेलवाल, प्रदेश अध्यक्ष-भाजपा मप्र, विधायक- बैतूल

आंदोलन, हिंसा, तख्ता पलट और बहुमत....बांग्लादेश ने डेढ़-दो साल में बहुत कुछ देख लिया

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने देश के संसदीय चुनावों में ऐतिहासिक जीत हासिल करके दो दशक के अंतराल के बाद सत्ता में वापसी कर ली है। बीएनपी के अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान देश के नए प्रधानमंत्री होंगे। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज तारिक रहमान से फोन पर बात कर उन्हें जीत की बधाई दी। इससे पहले मोदी ने सुबह ही बीएनपी को जीत की बधाई देते हुए ट्वीट कर दिया था। देखा जाये तो बांग्लादेश चुनाव के परिणाम से केवल सत्ता परिवर्तन नहीं हुआ है बल्कि संभवतः उस दौर का भी अंत हुआ है जो लंबे समय तक शेख हसीना और उनकी अवामी लीग के इर्द-गिर्द घूमता रहा। छात्र आंदोलन, आर्थिक ठहराव, भ्रष्टाचार के आरोप और फिर हिंसक टकरावों के बाद बनी राजनीतिक खाली जगह को इस चुनाव ने भरा है। इन चुनावों का महत्व इसलिए भी ज्यादा है क्योंकि यह उस उथल पुथल के बाद हुए हैं जिसने शेख हसीना की पंद्रह साल पुरानी सरकार को गिरा दिया था। छात्र आंदोलन पर सख्त कार्रवाई, बड़ी संख्या में जान हानि और उसके बाद हसीना का देश छोड़ना बांग्लादेश के लोकतांत्रिक इतिहास की बड़ी घटनाएं बन चुकी हैं। अंतरिम सरकार के रूप में नोबेल सम्मान पा चुके मुहम्मद यूनुस ने देश को चुनाव तक पहुंचाया, लेकिन उनका कार्यकाल भी तमाम तरह के विवादों से भरा रहा।

चुनाव परिणामों में बीएनपी के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 297 सीटों में से 212 सीटें जीत कर साफ बहुमत हासिल कर लिया है। जमात ए इस्लामी के नेतृत्व वाले गठबंधन को 77 सीटें मिलीं, जबकि बाकी सीटें निर्दलीय और छोटे दलों के खाते में गईं। यह भी उल्लेखनीय है कि तीन दशक में पहली बार शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग का चुनाव चिह्न नाव मतपत्र पर नहीं था, क्योंकि पार्टी को चुनाव लड़ने से रोक दिया गया। इससे साफ है कि बांग्लादेश की राजनीति अब दो पुराने ध्रुवों की सीधी टक्कर से आगे बढ़कर नए समीकरण बना रही है।

तारिक रहमान की वापसी भी अपने आप में एक अलग राजनीतिक कथा है। कभी निर्वासन में रहे रहमान अब साठ वर्ष की उम्र में देश की बागडोर संभालने जा रहे हैं। अपनी मां और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के निधन के तुरंत बाद उन्होंने पार्टी की कमान संभाली थी और अब जीत को उनके नाम पर समर्पित करते हुए जश्न टालने की अपील की है। बीएनपी ने चुनाव परिणाम को लोकतंत्र की जीत बताया है और अपने कार्यकर्ताओं के बलिदान को याद किया है। साथ ही तारिक रहमान का 31 सूत्रीय विकास कार्यक्रम एक कल्याणकारी सरकार बनाने की बात करता है, जिससे साफ है कि वह केवल सत्ता नहीं बल्कि नीति आधारित वैधता भी चाहते हैं। सामाजिक स्तर पर भी यह चुनाव अहम रहा। मतदान के दिन सुबह से लंबी कतारों में खड़े मतदाताओं ने यह संकेत दिया था कि लोग पारदर्शी चुनाव और स्थिर शासन चाहते हैं। साथ ही अल्पसंख्यक समुदाय खासकर हिंदू समाज पर हमलों की खबरों के बीच ढाका से बीएनपी के हिंदू नेता गायेश्वर चंद्र राय की जीत प्रतीकात्मक महत्व रखती है। यह नई सरकार के लिए एक संदेश भी है कि उसे अल्पसंख्यक सुरक्षा पर ठोस कदम उठाने होंगे। भारत पहले ही इस मुद्दे पर चिंता जता चुका है।

अब बात भारत बांग्लादेश संबंधों की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद फोन कर तारिक रहमान को बधाई दी और दोनों देशों की शांति, प्रगति और समृद्धि के लिए साथ काम करने की बात कही। यह कदम कूटनीतिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण है। भारत ने संकेत दिया है कि वह बांग्लादेश की जनता के जनादेश का सम्मान करता है और नई सरकार के साथ काम करने को तैयार है, चाहे उसका राजनीतिक झुकाव कुछ भी हो। आने वाले दिनों में इसके कई असर दिख सकते हैं। सीमा सुरक्षा और अवैध घुसपैठ जैसे मुद्दों पर संवाद जारी रह सकता है, क्योंकि यह दोनों देशों की साझा चिंता है। साथ ही व्यापार और संपर्क परियोजनाएं, जैसे सड़क, रेल और नदी मार्ग सहयोग, नई सरकार के लिए भी महत्वपूर्ण मुद्दे हैं, इसलिए इन पर चर्चा जारी रहने की संभावना है। इसके अलावा, अगर नई सरकार अल्पसंख्यक सुरक्षा पर भरोसा जगाती है तो द्विपक्षीय भरोसा और गहरा होगा।

हालांकि कुछ चुनौतियां भी रहेंगी। बीएनपी का अतीत भारत के प्रति हमेशा सहज नहीं रहा है और जमात-ए-इस्लामी जैसे दलों का प्रभाव भारत में चिंता पैदा कर सकता है। ऐसे में मोदी का शुरुआती फोन एक भरोसा बनाने वाला कदम है, जिससे नई दिल्ली यह दिखा रही है कि वह टकराव नहीं बल्कि सहयोग की राह चुनना चाहती है।

कुल मिलाकर देखें तो बांग्लादेश एक नए राजनीतिक अध्याय में प्रवेश कर रहा है। जनता ने बदलाव चुना है, पर अब असली परीक्षा शासन, आर्थिक सुधार, और सामाजिक सौहार्द की है। अगर तारिक रहमान स्थिरता, समावेशन और संतुलित विदेश नीति पर ध्यान देते हैं तो यह जीत बांग्लादेश के लिए नई दिशा बन सकती है। और यदि भारत और बांग्लादेश परिपक्वता से रिश्ते आगे बढ़ाते हैं तो पूरा दक्षिण एशिया इसका लाभ देख सकता है।

संपादकीय

डीपफेक का धोखा और डिजिटल सख्त नियमों की अनिवार्यता

डिजिटल युग में सूचना की गति जितनी तीव्र हुई है, उतनी ही तेजी से भ्रम, छल और दुष्प्रचार की संभावनाएँ भी बढ़ी हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डीपफेक तकनीक ने इस चुनौती को और जटिल बना दिया है। अब केवल शब्दों से नहीं, बल्कि चेहरों, आवाजों और भाव-भंगिमाओं से भी झूठ को सच की तरह प्रस्तुत किया जा सकता है। यही कारण है कि केंद्र सरकार ने डीपफेक और एआई जनित सामग्री के नियमन के लिए आईटी नियमों को सख्त करने का निर्णय लिया है। बीस फरवरी से लागू होने जा रहे नए प्रावधानों के अनुसार एआई द्वारा निर्मित सामग्री पर स्पष्ट लेबल लगाना अनिवार्य होगा और किसी भी अवैध या भ्रामक सामग्री को तीन घंटे के भीतर हटाना या ब्लॉक करना होगा। पहले यह समयसीमा 36 घंटे थी। यह बदलाव केवल तकनीकी संशोधन नहीं, बल्कि डिजिटल नैतिकता और लोकतांत्रिक जवाबदेही की दिशा में एक गंभीर हस्तक्षेप है। पिछले कुछ वर्षों में डीपफेक तकनीक का दुरुपयोग भयावह रूप से सामने आया है। राजनीतिक नेताओं के फर्जी वीडियो, अभिनेत्रियों की अश्लील रूप से परिवर्तित तस्वीरें, सांप्रदायिक तनाव भड़काने वाले ऑडियो क्लिप और आर्थिक धोखाधड़ी के लिए बनाए गए कृत्रिम संदेश-ये सब इस बात के प्रमाण हैं कि तकनीक तटस्थ नहीं रहती, उसका उपयोग और दुरुपयोग दोनों संभव हैं। जब सत्य को जूता जा रहा हो और झूठ को परिष्कृत तकनीक के सहारे प्रमाणिकता का आवरण पहनाकर प्रस्तुत किया जा रहा हो, तब समाज में अविश्वास का वातावरण बनना स्वाभाविक है। ऐसी स्थिति में सरकार द्वारा नियंत्रण की पहल आवश्यक प्रतीत होती है, क्योंकि यह केवल अभिव्यक्ति का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक सौहार्द, राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिकों की प्रतिष्ठा से जुड़ा विषय है। नए नियमों के तहत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों की जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से बढ़ाई गई है। अब उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि उपयोगकर्ता को यह जानकारी मिले कि साझा की जा रही सामग्री एआई से निर्मित है या नहीं। इससे पारदर्शिता का एक न्यूनतम मानक स्थापित होगा। साथ ही, तीन घंटे की समयसीमा यह संकेत देती है कि सरकार डिजिटल अपराधों की गंभीरता को समझ रही है। डीपफेक वीडियो के वायरल होने के बाद उसका खंडन अक्सर प्रभावहीन हो जाता है, इसलिए त्वरित कार्रवाई ही नुकसान को सीमित कर सकती है। परंतु यह भी सच है कि इतनी कम समय सीमा में सामग्री की सत्यता की जांच करना तकनीकी और प्रशासनिक दृष्टि से अत्यंत जटिल कार्य है। इससे प्लेटफॉर्मों पर निगरानी तंत्र को अत्यधिक सुदृढ़ करना पड़ेगा, जो लागत और संचालन दोनों के स्तर पर चुनौतीपूर्ण होगा। यह प्रश्न भी महत्वपूर्ण है कि आपत्तिजनक या भ्रामक सामग्री की परिभाषा कौन और किस आधार पर तय करेगा। लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक मूलाधिकार है। यदि नियमन की प्रक्रिया पारदर्शी और न्यायसंगत नहीं होगी, तो इसके दुरुपयोग की आशंकाएँ जन्म लेंगी। अतीत में भी यह देखा गया है कि जब-जब सोशल मीडिया पर नियंत्रण के प्रयास हुए, तब कुछ वर्गों ने इसे सरकारी अतिक्रमण के रूप में प्रस्तुत किया। इसलिए नियमन और स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाना अत्यंत आवश्यक है। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि नियमों का प्रयोग असहमति को दबाने के लिए नहीं, बल्कि स्पष्ट रूप से दुष्प्रचार और अपराध को रोकने के लिए हो। इस दिशा में स्वतंत्र निगरानी तंत्र, न्यायिक समीक्षा और पारदर्शी शिकायत निवारण प्रणाली अनिवार्य घटक हो सकते हैं।

जिस मटके में जीवन देने वाला पानी मिलना चाहिए, उसमें भाजपा नेताओं के अहंकार और भ्रष्टाचार ने ज़हर घोलकर 24 लोगों की जान ले ली।
जीतू पटवारी अध्यक्ष, मप्र कांग्रेस

आरोपियों के कब्जे से 495 ग्राम मादक पदार्थ मिला

भोपाल में चरस सहित दो तस्कर गिरफ्तार

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल क्राइम ब्रांच ने 495 ग्राम चरस एवं दो मोबाइल फोन के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है। आरोपियों को कोर्ट में पेश कर दिया गया है। एडिशनल डीसीपी शैलेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि टीआईटी मैदान खंडहर के पास गोविंदपुरा में दो युवक खड़े हुए हैं। उनके पास मादक पदार्थ चरस है, जिसे बेचने के लिए ग्राहक का इंतजार कर रहे हैं। यदि उन्हें जल्दी नहीं पकडा गया तो वह चरस को किसी को बेचकर निकल जाएंगे। सूचना मिलते ही क्राइम ब्रांच की टीम मौके पर पहुंची तथा घेराबंदी कर युवकों को दबोच लिया।

एक तस्कर बैतूल का रहने वाला

पूछताछ में एक आरोपी शेख आरिफ पिता शेख फारुख (44) निवासी थाना कोठी बाजार, जिला बैतूल और दूसरे ने अपना नाम राजा मियां पिता मो. जमील (51) निवासी फरहतअफ्जा, ऐशबाग का बताया है। दोनों के कब्जे से 495 ग्राम चरस पाई गई। क्राइम ब्रांच ने दोनों के खिलाफ ह्हक्क का प्रकरण दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है।

भोपाल में तेज रफ्तार स्कार्पियो ने बाइक सवार को कुचला

संदीप महेश्वरी, मृतक

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल के केरवा डेम रोड पर बाइक सवार युवक को स्कार्पियो ने जोरदार टक्कर मार दी। घटना गुरुवार दोपहर की है जबकि इलाज के दौरान शुक्रवार तड़के युवक की मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी कार चालक कार को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया, पुलिस पहचान कर उसकी गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है। 24 वर्षीय संदीप माहेश्वरी पिता शंकर लाल माहेश्वरी सीहोर जिले के बिलकिसगंज का रहने वाला था। वह भोपाल की एक निजी फाइनेंस कंपनी में जॉब करता था। लोन के संबंध में कस्टमर के दस्तावेज लेने के साथ ही केवाईसी करने के लिए नीलबड़ इलाके में जा रहा था।

भोपाल में कम हो जाएंगे 4.50 लाख वोटर्स...

न्यूज क्राइम फाइल

स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) और फिर दावे-आपत्तियों की सुनवाई के बाद भोपाल की वोटर लिस्ट से करीब साढ़े 4 लाख वोटर कम हो जाएंगे। भोपाल ने एसआईआर का काम एक दिन पहले यानी, शुक्रवार को ही पूरा कर लिया। हालांकि, फाइनल मतदाता सूची 21 फरवरी को जारी होगी। बता दें कि 23 दिसंबर को प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया गया। इसके बाद 22 जनवरी तक बूथ लेवल ऑफिसर यानी, बीएलओ अपने-अपने बूथ पर बैठें। इस दौरान उन्होंने नए फॉर्म 6, 7 और 8 प्राप्त किए।

एसआईआर में जिन मतदाताओं को %नो मैपिंग% में रखा गया कि उन्हें नोटिस जारी किए गए और 50 दिन के अंदर उनका रिकॉर्ड देखा। 14 फरवरी तक ये काम होना था, लेकिन जिला प्रशासन ने एक दिन पहले 13 फरवरी को ही काम पूरा कर लिया।

पहले इतनी थी मतदाता संख्या

एसआईआर से पहले 27 अक्टूबर-25 की स्थिति में भोपाल की मतदाता संख्या 21 लाख 25 हजार 908 थी। एसआईआर में कुल 4 लाख 38 हजार 875 मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए थे। इसके बाद करीब 12 हजार नाम और हटाए गए हैं। इस तरह वोटर लिस्ट से साढ़े 4 लाख मतदाताओं के नाम हट चुके हैं। 21 फरवरी को फाइनल सूची जारी होगी।

पत्रकार बनने का सुनहरा अवसर

अगर आपके अंदर लिखने का कौशल है और पत्रकारिता में रुचि है, तो 'न्यूज क्राइम फाइल' को आपकी तलाश है। 'न्यूज क्राइम फाइल' से जुड़ कर आप हर माह दस हजार रुपये तक कमा सकते हैं। 'न्यूज क्राइम फाइल' भोपाल, ग्वालियर, सतना, सागर, जबलपुर, इंदौर, उज्जैन, मंदसौर और नीमच में ब्यूरो ऑफिस खोलने जा रहा है। इच्छुक उम्मीदवार तत्काल हमें अपना बॉयोडाटा मेल करें या व्हाट्सअप करें।

उदय प्रताप सिंह चौहान (संपादक) 07223003441
वजाहत खान (प्रबंधक सपांदक) 07999252366
email: newscrimefile@yahoo.com

नर्मदापुरमवासियों के अपार प्रेम, स्नेह और
आत्मीयता ने अभिभूत कर दिया। आप सभी का हृदय से आभार।
मोहन यादव, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री

चाबियां बनवा लो की आवाज लगाकर घर में घुसे

ग्वालियर में चाबी बनाई और लॉकर से गहने साफ; सरदारों का भेष बनाकर दिनदहाड़े वारदात

न्यूज क्राइम फाइल

ग्वालियर में अलमारी की चाबी बनाने बुलाए दो कारीगर चाबी तो बना गए, लेकिन इस दौरान अलमारी से सोने-चांदी के गहने समेट ले गए। वारदात शुक्रवार को गली नंबर-6, हेमसिंह की परेड, माधौगंज में हुई। चोर सरदारों का हुलिया बनाकर आए थे। वे गली में चाबी बनवा लो की आवाज लगाते हुए निकल रहे थे। इस पर व्यापारी की पत्नी ने अलमारी की चाबी बनाने के लिए उन्हें बुलाया। वारदात की सूचना मिलते ही माधौगंज थाना पुलिस ने तुरंत जांच शुरू कर दी। घटनास्थल के आसपास छानबीन करने पर पुलिस को एक सीसीटीवी कैमरे में आरोपी नजर आए हैं। पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है।

शहर के माधौगंज, हेमसिंह की परेड, गली नंबर छह निवासी पदमचंद जैन व्यापारी हैं। काफी समय से उनकी अलमारी का लॉक खराब हो गया था और वे उसे ठीक कराने की सोच रहे थे। शुक्रवार को दो सरदार पैदल चाबियों का गुच्छा लेकर निकले और आवाज लगा रहे थे, चाबियां बनवा लो। इस पर पदमचंद जैन की पत्नी ने उन्हें रोका। पदमचंद की पत्नी ने बताया कि उनकी अलमारी के लॉकर की चाबी खो गई है, क्या वे बना देंगे? इस पर दोनों सरदार घर के अंदर पहुंचे और अलमारी की चाबी बनाने के काम में जुट गए। चाबी बनाते समय परिजनों की नजर बचाकर शातिर चोरों ने अलमारी में रखा लेडीज पर्स खोल लिया और उसमें रखी सोने की चेन, दो जोड़ी कान के झुमके व एक छोटा गहनों का पर्स चोरी कर लिया। कुछ देर बाद परिजनों से कहा कि चाबी बन गई है। अलमारी लॉक कर दोनों चाबी बनाने के 90 रुपए लेकर वहां से निकल गए।

नई चाबी लगाकर लॉकर खोला तो नहीं थे गहने

पदमचंद जैन की पत्नी ने कुछ देर बाद जब नई चाबी से अलमारी खोली तो पता चला कि उसमें रखा लेडीज पर्स खुला हुआ है और उसमें रखे गहने भी गायब हैं। चोरी का अहसास होते ही परिजन तुरंत बाहर निकले। मोहल्ले व आसपास उन दोनों चाबी बनाने वालों को तलाशने लगे। काफी तलाश करने के बाद भी जब दोनों कहीं नजर नहीं आए, तो पुलिस को सूचना दी गई।

कैमरे में कैद हुए चाबी बनाने वाले संदेही

हेमसिंह की परेड इलाके में घर में इस तरह दिनदहाड़े चोरी होने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। घर के आसपास व रास्ते में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए, तो दो-तीन स्थानों पर संदेहियों के फुटेज मिल गए हैं। दोनों सरदारों का भेष बनाकर आए थे।

पहले भी हो चुकी है इस तरह की वारदातें

ये चाबी बनाने वाले पहले भी ग्वालियर में वारदात कर चुके हैं। इस तरह गलियों में सरदारों की तरह पगड़ी पहने घूमते हैं। माधौगंज, कोतवाली व जनकगंज में इस तरह की वारदात हो चुकी है। ये बेहद शातिर होते हैं।वारदात के बाद ये पगड़ी उतारकर सामान्य भेष में आ जाते हैं। लोग सरदार पगड़ी वालों को ढूंढते रह जाते हैं। एएसपी सुमन गुर्जर का कहना है कि माधौगंज में सरदार के भेष में आए दो चाबी बनाने वालों ने गहने चोरी किए हैं। मामला दर्ज कर पड़ताल की जा रही है। आरोपियों को जल्द पकड़ लिया जाएगा।

कार्यक्रम

मंदसौर निवास पर पधारे आगंतुकों एवं गणमान्यजन से भेंट की। आगंतुकों की विभिन्न मांगों एवं आश्यकताओं के संबंध में उचित कार्यवाही एवं समाधान हेतु संबंधित को दिशा निर्देश प्रदान किए।

साप्ताहिक
न्यूज क्राइम फाइल
भोपाल, 16 फरवरी से 22 फरवरी 2026

अपने दृढ़ संकल्प और समर्पण से हमारे युवा साथी स्टार्टअप की दुनिया में नित-नए रिकॉर्ड बना रहे हैं। इनका जोश और जुनून विकसित भारत के सपने को साकार करने में सबसे बड़ी शक्ति बनने वाला है।
प्रधानमंत्री- नरेंद्र मोदी

पाकिस्तानी क्रिकेटर मोहम्मद आमिर ने अभिषेक शर्मा को स्लॉगर बताया

बोले- 8 पारियों में एक बार रन बनाता है, ज्यादा जोखिम लेते हैं...

न्यूज क्राइम फाइल

पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने भारत के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को स्लॉगर कह दिया। पाकिस्तानी चैनल पर चर्चा के दौरान आमिर ने कहा कि अभिषेक के फेल होने की संभावना ज्यादा है, क्योंकि वे काफी जोखिम भरा क्रिकेट खेलते हैं। उन्होंने भारतीय बल्लेबाज की तकनीकी क्षमता पर भी सवाल उठाए। 8 पारियों में एक बार रन बनाता है आमिर ने पाकिस्तानी शो 'हारना मना है' में कहा, मैंने जितना देखा है, अगर आप ईमानदारी से पूछें तो मुझे लगता है कि वह सिर्फ एक स्लॉगर है। उसे हर गेंद पर जोर से खेलना होता है। जिस दिन वह चल जाता है, सब ठीक है। वरना उसके फेल होने के मौके ज्यादा हैं। 8 पारियों में एक बार रन बनाता है। बाकी स्कोर 10, 15, 0 और 20 जैसे होते हैं। मुझे नहीं लगता कि वह तकनीकी रूप से मजबूत है।

आमिर ने कहा कि अभिषेक को रोकने का सबसे अच्छा तरीका है, उन्हें शरीर पर गेंदबाजी करना। अभिषेक को तब अच्छा बल्लेबाज माना जाएगा जब वह स्विंग होती गेंदों को सही तरीके से खेलना शुरू करेंगे।

अभिषेक का खेल काफी जोखिम भरा आमिर ने आगे कहा, अभिषेक पिच में खड़ा रहता है और चाहता है कि सारी गेंदें एक खास एरिया में डाली जाएं। मैं यह भी कह रहा हूं कि जिस दिन वह चल जाता है, बड़ा स्कोर करेगा। वह किसी टीम को नुकसान पहुंचा सकता है। लेकिन उसका खेल काफी जोखिम भरा है। मैं उसे तब ही सही मायने में बल्लेबाज मानूंगा, जब हल्की सी स्विंग होती गेंद को भी वह अच्छे से खेले और उसी रफ्तार से शॉट लगाए। पेट की समस्या के चलते नहीं खेल पाए थे अभिषेक अभिषेक नामीबिया के खिलाफ पिछले मैच में पेट की समस्या के चलते नहीं खेल पाए थे, लेकिन वे अब पूरी तरह फिट होने की कोशिश कर रहे हैं। अमेरिका के खिलाफ मैच में मैदान पर पहुंचते ही उनकी तबीयत खराब हो गई थी। इसके बाद उन्हें एक दिन के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया और उनका 2 किलो वजन भी कम हो गया। हालांकि, पाकिस्तान के खिलाफ मैच से उन्हें अभी पूरी तरह बाहर नहीं किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट बोला- रेरा को बंद कर देना ही बेहतर

घर खरीदारों की मदद नहीं हो रही, केवल डिफॉल्टर बिल्डरों को फायदा पहुंच रहा...

न्यूज क्राइम फाइल

सुप्रीम कोर्ट ने रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी के कामकाज पर सवाल उठाते हुए कहा कि इसे बंद कर देना ही बेहतर है। हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट के एक फैसले के खिलाफ सुनवाई करते हुए चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जोयमाल्य बागची की बेंच ने ये बात कही। कोर्ट ने कहा कि अब समय आ गया है कि राज्य सरकारें रेरा के गठन पर दोबारा विचार करें। यह संस्था खरीदारों की मदद के बजाय केवल डिफॉल्टर बिल्डरों को फायदा पहुंचा रही है। कोर्ट ने कहा कि जिस उद्देश्य के लिए रेरा बनाया गया था, वह पूरी तरह भटक गया है।

रिटायर्ड आईएएस अफसरों का ठिकाना बना रेरा

सुनवाई के दौरान जब बेंच को बताया गया कि रेरा में एक रिटायर्ड आईएएस अधिकारी को नियुक्त किया गया है, तो चीफ जस्टिस ने कहा- हर राज्य में यह रिटायर्ड नौकरशाहों के लिए एक रिहैबिलिटेशन सेंटर बन गया है। इन अथॉरिटीज में सिर्फ ऐसे ही लोग भरे हुए हैं।

चीफ जस्टिस ने कहा- जिन लोगों यानी होमबायर्स के लिए यह संस्था बनाई गई थी, वे आज पूरी तरह निराश और दुखी हैं। उन्हें कोई राहत नहीं मिल रही है।

रेरा ऑफिस शिमला से धर्मशाला शिफ्ट होगा

यह पूरा मामला हिमाचल प्रदेश सरकार के उस नोटिफिकेशन से जुड़ा था, जिसमें रेरा ऑफिस को शिमला से धर्मशाला शिफ्ट करने की बात कही गई थी। हाई कोर्ट ने इस पर रोक लगा दी थी। अब SC ने राज्य सरकार को ऑफिस शिफ्ट करने की अनुमति दे दी है। साथ ही कोर्ट ने निर्देश दिया कि होमबायर्स की सुविधा के लिए अपीलीय ट्रिब्यूनल को भी धर्मशाला शिफ्ट किया जाए।

पहले भी कोर्ट कह चुका है- पूर्व नौकरशाहों ने स्कीम बर्बाद की

यह पहली बार नहीं है जब सुप्रीम कोर्ट ने रेरा पर सवाल उठाए हैं। सितंबर 2024 में भी जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने कहा था कि रेरा पूर्व नौकरशाहों का ठिकाना बन गया है, जिन्होंने इस एक्ट की पूरी भावना और योजना को ही विफल कर दिया है।

होमबायर्स बोले- 9 साल बाद भी पजेशन की गारंटी नहीं

होमबायर्स की संस्था फोरम फॉर पीपल्स कलेक्टिव एफर्ट्स ने सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों पर कहा- रेरा कानून को आए 9 साल हो गए हैं, लेकिन आज भी इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि रेरा-रजिस्टर्ड प्रोजेक्ट समय पर पूरा होगा। अगर रेरा खरीदारों की उम्मीदों पर खरा नहीं उतर सकता, तो इसमें बड़े सुधार की जरूरत है या फिर इसके अस्तित्व पर ही दोबारा विचार होना चाहिए।

नॉलेज बॉक्स- रेरा को 2016 में बनाया गया था

रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी एक सरकारी संस्था है जिसे 2016 में बनाया गया था। इसका मकसद रियल एस्टेट सेक्टर में पारदर्शिता लाना, बिल्डरों की जवाबदेही तय करना और खरीदारों के हितों की रक्षा करना था। सरल शब्दों में कहें तो, रेरा यह सुनिश्चित करता है कि खरीदार को उसका घर सही समय पर, तय शर्तों के अनुसार और बिना किसी धोखाधड़ी के मिले।

साप्ताहिक न्यूज क्राइम फाइल
भोपाल, 16 फरवरी से 22 फरवरी 2026

महाराष्ट्र के नगर निगम चुनावों में भाजपा-शिवसेना गठबंधन की प्रचंड जीत यह बताती है कि देश के कोने-कोने की जनता का विश्वास सिर्फ और सिर्फ पीएम श्री @narendramodi जी के नेतृत्व वाली हष्ट्र की विकासनीति पर है।

केंद्रीय गृहमंत्री-अमित शाह

राई की धुन नहीं बजाने पर सीने में गोली मारी...

सागर में बारात में बैंड बजा रहे 15 साल के बच्चे की हत्या; इकलौता बेटा था

न्यूज क्राइम फाइल

सागर में गुरुवार देर रात एक शादी समारोह के दौरान हुई फायरिंग ने एक मासूम की जान ले ली। मोतीनगर थाना क्षेत्र के गोला कुआं के पास बारात में अचानक चली गोली बैंड बजा रहे 15 वर्षीय बच्चे विवेक बंसल के सीने में जा धंसी। अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। विवेक परिवार का इकलौता बेटा था। पुलिस के मुताबिक, मोतीनगर स्थित सागर सरोज मैरिज गार्डन में सोनी परिवार का विवाह समारोह चल रहा था। बारात गोला कुआं से गार्डन की ओर बढ़ रही थी। बैंड पार्टी सबसे आगे चल रही थी। इसी दौरान भीड़ में शामिल एक युवक ने कट्टे से फायर कर दिया। गोली सीधे विवेक के सीने में लगी और वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ा। गोली चलते ही नाचते-गाते बारातियों में भगदड़ मच गई। मौके पर मौजूद लोगों ने फायरिंग करने वाले एक संदिग्ध युवक को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। हर्ष फायर के दौरान नाबालिग को गोली लगी और मौत हो गई। दो युवक राई बजाने को लेकर बैंड वालों से उलझ रहे थे। एक युवक ने पास जाकर विवेक के सीने पर गोली मार दी। मोती नगर थाना प्रभारी जसवंत सिंह राजपूत ने बताया कि हत्या के मामले में गोली चलने के दो कारण सामने आए हैं। मामले में जांच की जा रही है। वारदात में एक युवक को हिरासत में लिया गया है। वहीं, दूसरा युवक फरार है। इसके साथ ही ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

संवेदनशील हिस्से में लगी गोली, अधिक खून बह गया

विवेक के साथी उसे तुरंत पास के एक निजी अस्पताल ले गए, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उसे गंभीर हालत में बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। हालांकि, बीएमसी पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों के अनुसार, गोली सीने के बेहद संवेदनशील हिस्से में लगी थी, जिससे अत्यधिक रक्तस्राव हो गया।

इकलौते बेटा था, परिजन ने सड़क पर किया प्रदर्शन

विवेक अपने परिवार का इकलौता बेटा था। बैंड बजाकर घर की आर्थिक मदद करता था। उसकी मौत की खबर मिलते ही परिजनों ने अस्पताल और थाने के बाहर जमकर हंगामा किया। परिजन ने आरोपी के खिलाफ हत्या का केस दर्ज करने की मांग को लेकर सड़क पर बैठकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रशासन ने परिजनों को सहायता के रूप में 50 हजार रुपए दिए गए। इसके बाद परिजन शव लेकर रवाना हो गए।

साथी ने कहा- अचानक आवाज आई और विवेक गिर पड़ा

विवेक के साथी खिलान बंसल ने बताया कि वे लोग सामान्य तरीके से बैंड बजाते हुए आगे बढ़ रहे थे। अचानक आवाज आई और विवेक गिर पड़ा। पहले किसी को समझ ही नहीं आया कि गोली चली है। बाद में खून देखकर हड़कंप मच गया।

किन्नर ने कहा- हत्या का केस दर्ज करे पुलिस

घटनाक्रम के दौरान देर रात मृतक के परिवार की परिचित किन्नर अस्पताल पहुंची। उन्होंने घटना पर विरोध जताते हुए दोषियों पर हत्या का केस दर्ज करने की मांग की। सख्त कार्रवाई नहीं करने पर प्रशासन को चेतावनी भी दी।

पं. प्रदीप मिश्रा की कथा में महिला को हार्ट-अटैक, मौत: पंडाल में बैठते ही बिगड़ी तबीयत; यूपी के इटावा से आई थीं शिव महापुराण सुनने

न्यूज क्राइम फाइल

ग्वालियर जिले के डबरा में पंडित प्रदीप मिश्रा की शिव महापुराण कथा में शुक्रवार को एक दुखद घटना हो गई। यहां कथा शुरू होने से कुछ ही देर पहले पंडाल में बैठी उत्तर प्रदेश की 65 वर्षीय महिला की हार्ट अटैक से मौत हो गई। मृतका की पहचान इटावा (उत्तर प्रदेश) निवासी पुष्पा देवी के रूप में हुई है। वह दो दिनों से डबरा के नवग्रह शक्ति पीठ पर कथा में शामिल हो रही थीं। शुक्रवार सुबह जैसे ही वह पंडाल में अपनी जगह पर बैठीं, अचानक उनके सीने में तेज दर्द उठा और वह अचेत होकर गिर पड़ीं।

परिजनों ने की बचाने की कोशिश

पुष्पा देवी के रिश्तेदार संतोष सोनी ने बताया कि वे सुबह समय पर कथा स्थल पहुंच गए थे।

पुष्पादेवी, मृतक

अचेत होने के बाद परिजनों ने उनकी छाती को पंप किया, लेकिन उनके मुंह से झाग निकलने लगा। उन्हें तत्काल कथा परिसर में बने अस्थायी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पहले से चल रहा था हृदय रोग का इलाज

परिजनों के अनुसार, पुष्पा देवी लंबे समय से दिल की बीमारी से जूझ रही थीं। लगभग दो साल पहले उन्हें गंभीर समस्या हुई थी, जिसके बाद से उनका इलाज जारी था। बीमार होने के बावजूद वह भगवान शिव के प्रति अपनी आस्था के कारण डबरा में अपने रिश्तेदारों के यहां रुककर कथा सुनने पहुंची थीं।

11 फरवरी को इटावा से आई थीं डबरा

पुष्पा देवी 11 फरवरी को अपनी ननद के साथ इटावा से डबरा आई थीं। वे यहां सराफा बाजार स्थित अपने रिश्तेदारों के घर रुकी हुई थीं। दो दिन से वे नियमित रूप से गाड़ी से कथा सुनने जा रही थीं, लेकिन शुक्रवार की सुबह उनकी अंतिम सुबह साबित हुई। नवग्रह पीठ के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के क्रम में शुक्रवार को कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा की कथा का अंतिम दिन था। पंडित मिश्रा ने कहा कि भगवान को कहीं ढूंढने की जरूरत नहीं है। लोग बाबाओं के चक्कर में पड़ते हैं कि भगवान से मिलवा दो, प्रभु तो आपका हृदय में है। उसे प्रकट करने की आवश्यकता है।

कल से कुमार विश्वास कहेंगे कथा

कल से कवि कुमार विश्वास राम कथा कहेंगे। यह कथा 14 से 16 फरवरी तक जारी रहेगी। इस कथा में ग्रामीण अंचल से महिलाओं का आने का सिलसिला कम होने की संभावना है। एएसपी जयराज कुबेर ने बताया कि व्यवस्था बनाने में जुटे हैं। रेलवे पुलिस भी मुस्तैद है। दो स्पेशल ट्रेन भी प्लेटफॉर्म पर खड़ी है, जिसमें एक ग्वालियर की तरफ जा रही है तो दूसरी झांसी की ओर जा रही है। डबरा में नवग्रह पीठ की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम चल रहा है।

हमारा कर्तव्य है कि हम राष्ट्र की एकता और अखंडता बनाए रखें, ताकि हमारे सैनिकों का बलिदान व्यर्थ न जाए। हमारा यह भी कर्तव्य है कि हम देश की प्रगति में योगदान दें, क्योंकि एक समृद्ध और शक्तिशाली राष्ट्र ही अपनी सेना को सबल बना सकता है।
रक्षा मंत्री-राजनाथ सिंह

सीएम ने धीरेंद्र शास्त्री को लगाई हल्दी, कहा- 3000 बेटियों का विवाह कराएगी सरकार

बागेश्वर धाम में एक साथ 300 बेटियों की हल्दी रस्म

न्यूज क्राइम फाइल

खजुराहो के पास बागेश्वर धाम में सातवां सामूहिक कन्या विवाह महोत्सव भव्य स्तर पर जारी है। शुक्रवार को 300 बेटियों की हल्दी रस्म हुई, जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शामिल हुए। मंच पर राजनगर विधायक अरविंद पटेरिया और मंत्री लखन पटेल भी मौजूद रहे। सीएम को बुंदेली पगड़ी बांधी गई। बागेश्वर बाबा पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने पूजन विग्रह, तस्वीर और बलदाऊ जी का अस्त्र 'हल' भेंट किया। सीएम ने मंच से 300 नहीं, 3000 बेटियों के विवाह का आह्वान करते हुए 51-51 हजार की सहायता देने का ऐलान किया।

सीएम ने धीरेंद्र शास्त्री को लगाई हल्दी

सीएम ने कार्यक्रम स्थल पर मंडप पूजन किया। उन्होंने धीरेंद्र शास्त्री को हल्दी लगाई, जबकि शास्त्री ने सीएम की पीठ पर हल्दी के छाप छोड़े। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा के गाल पर भी हल्दी लगाई गई। सभी अतिथियों और विधायकों के साथ परंपरागत हल्दी की रस्म निभाई गई। मंच पर सीएम ने 6 मिनट की डॉक्यूमेंट्री भी देखी, जिसमें चयनित बेटियों के जीवन संघर्ष की कहानियां दिखाई गईं।

शादी में फिजूल खर्च नहीं करने का लें संकल्प

विधायक अरविंद पटेरिया ने कहा कि गुरुजी छोटे से गांव में बड़ा विकास कर रहे हैं और कन्या विवाह महोत्सव सराहनीय पहल है। अपने संबोधन में सीएम मोहन यादव ने कहा कि सामूहिक विवाह से अनावश्यक खर्च और दिखावा रुकता है। सभी संकल्प लें कि शादी में फिजूल खर्च नहीं करेंगे। शाम करीब 6 बजे संबोधन के बाद सीएम कार्यक्रम स्थल से रवाना हुए।

आधी रात रसोई में पहुंचे धीरेंद्र शास्त्री

गुरुवार-शुक्रवार दरमियानी रात करीब 3:30 बजे पंडित धीरेंद्र शास्त्री बुलेट बाइक से अन्नपूर्णा मंडप पहुंचे। उन्होंने भंडारे की तैयारियों का जायजा लिया और खुद भट्टी पर बैठकर पूड़ियां तलीं। सेवादारों के साथ बुंदेली गारी गवाकर माहौल भक्तिमय बना दिया। इसके बाद पैदल घूमकर मंडप, सुरक्षा, प्रसाद वितरण, उपहार कक्ष और बैठने की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

पैदल घूमकर किया मंडप का निरीक्षण

धीरेंद्र शास्त्री ने पैदल घूमकर भंडार गृह, प्रसाद वितरण, बैठने की व्यवस्था और सुरक्षा इंतजामों का निरीक्षण किया। इसके बाद वे मुख्य विवाह मंडप पहुंचे, जहां 300 कन्याओं का विवाह होना है। मंडप की सजावट, आवागमन मार्ग, सुरक्षा व्यवस्था और बेटियों के लिए तैयार उपहार सामग्री कक्ष का भी बारीकी से अवलोकन किया।

आज हल्दी, 14 को मेहंदी-संगीत, 15 को विवाह

शुक्रवार को मंडप-हल्दी की रस्म होगी। 14 फरवरी को मेहंदी और संगीत का आयोजन है, जबकि 15 फरवरी को 300 बेटियों की बारात धाम पहुंचेगी। आयोजन में देश-विदेश से लाखों श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। इसी दौरान कथावाचक पं. रमेश भाई ओझा ने धाम में सनातन वैदिक गुरुकुलम का शुभारंभ किया। यहां पहले वर्ष में 31 बच्चों को वैदिक कर्मकांड की शिक्षा दी जाएगी। बनारस के चार विद्वान आचार्य गुरुकुल में रहकर शिक्षण कार्य करेंगे।

---

30 फीट गहरे तालाब में गिरी कार...3 बारातियों की मौत

विदिशा में 7 घायल, इनमें से 3 भोपाल रेफर; घायल बोला- अचानक रोड खत्म हो गई

न्यूज क्राइम फाइल

मध्यप्रदेश के विदिशा में गुरुवार देर रात बारातियों से भरी तेज रफ्तार टवेरा कार सूखे तालाब में जा गिरी। हादसे में 3 बारातियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 7 लोग घायल हैं। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक गैरतगंज से जाफरखेड़ी निवासी दशरथ सिंह के यहां बारात आ रही थी। टवेरा कार में कुल 10 लोग सवार थे। गाड़ी तेज रफ्तार में थी। अंधेरा होने के कारण ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया। कार सड़क से सीधे 30 फीट गहरे सूखे तालाब में जा गिरी।

हादसे में 35 वर्षीय राजेश लोधी, 30 वर्षीय सोनू लोधी (ड्राइवर) और 35 वर्षीय चंद्रशेखर की जान गई है। वहीं घायलों में अशोक लोधी (25) का बायां हाथ फ्रैक्चर हुआ है। राज बोधी (14) के पेट में गंभीर चोट आई है। बृजेश लोधी

(27) और सुदीप लोधी (20) को सीने में चोटें लगी हैं।

तीन की हालत नाजुक, भोपाल रेफर

45 वर्षीय भावसिंह लोधी और 10 वर्षीय ऋतुराज लोधी और एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। तीनों को प्राथमिक इलाज के बाद विदिशा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। देर रात तीनों की हालत बिगड़ गई। घायलों को गंभीर हालत में भोपाल रेफर किया गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि शादी वाले घर से एक किलोमीटर दूर हुआ है। आवाज सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे। निजी वाहनों की मदद से घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। घायल खून से सने हुए थे। किसी के माथे से तो किसी के हाथ से खून बह रहा था।

रास्ता भटक गए थे, गाड़ी कंट्रोल नहीं हो पाई

एक घायल युवक ने बताया कि रायसेन जिले के ऊसर मेटा गांव से बारात में शामिल होने विदिशा के जाफरखेड़ी जा रहे थे। गांव पहुंचने से पहले वह रास्ता भटक गए थे। सड़क सीधी थी, लेकिन अचानक रोड खत्म हो गई। गाड़ी कंट्रोल नहीं पाई और तालाब में गिर गई।

कलेक्टर ने अस्पताल में घायलों से जानकारी ली

घटना की जानकारी मिलते ही कलेक्टर अंशुल गुप्ता जिला अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घायलों का हालचाल जाना। घटनास्थल का निरीक्षण भी किया। एडीएम, तहसीलदार, सीएसपी, कोतवाली और सिविल लाइन थाना प्रभारी सहित अन्य अधिकारी भी अस्पताल पहुंचे। इस दौरान सिविल सर्जन डॉ. अनूप वर्मा के नेतृत्व में डॉक्टर्स की टीम ने घायलों का इलाज शुरू किया। डॉ. अनूप वर्मा ने बताया कि 4 की हालत गंभीर है, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया।

मेडिकल कॉलेज से भोपाल रेफर

मेडिकल कॉलेज में भर्ती 4 में से 3 लोगों की हालत रात में बिगड़ गई। तीनों को फौरन भोपाल के लिए रेफर किया गया है, जबकि एक घायल का इलाज डॉक्टर्स की निगरानी में मेडिकल कॉलेज में ही चल रहा है।

देश की रक्षा में सदैव तत्पर हमारे वीर जवानों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को सेना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।उनके अदम्य साहस, पराक्रम और सर्वोच्च बलिदान के लिए हम सदैव उनके ऋणी रहेंगे।

नेता प्रतिपक्ष-राहुल गांधी

मामूली हादसे के बाद सुरक्षा गार्ड ने दोस्तों से कहा- जब तक जान न निकले, तब तक मारो चाकू

8 हमलावरों ने घेरा, सीने, दिल पर ताबड़तोड़ वार किए

न्यूज क्राइम फाइल

वह कुछ सुनने को तैयार ही नहीं हो रहा था। एक ही बात कहे जा रहा था कि मेरी गाड़ी बनवा दे। इसके बाद उसने अपने दोस्तों को बुला लिया, जिन्होंने मुझसे मारपीट की। मैंने अपने दोस्तों को बुलाया। उन्हें तब तक चाकू मारने को कहा, जब तक उसकी जान नहीं निकल जाए। यह कहना है पुलिस गिरफ्त में आए शिवम वाजपेयी का, जिसके कारण जबलपुर में 8 फरवरी को आकांश साहू की हत्या हुई। गुरुवार को रांझी पुलिस ने मुख्य सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। हालांकि, अभी भी चार आरोपी फरार हैं। सड़क पर चाकू मारने का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है।

गार्ड की नौकरी करता है शिवम

शिवम वाजपेयी (29) महात्मा गांधी वार्ड निवाड़गंज पांडेय चौक का रहने वाला है। वह सुरक्षा गार्ड की नौकरी करता था। 8 फरवरी की रात वह दोस्तों के साथ शराब पार्टी के बाद घर लौट रहा था। गोकलपुर लक्ष्मी मंदिर के पास

आधारताल निवासी आकांश साहू अपनी क्रेटा कार मोड़ रहा था, तभी सामने से आ रही शिवम की बाइक से उसकी टक्कर हो गई। दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए।

सुबह गाड़ी बनवाने की बात कही

आकांश पहले गोकलपुर में ही रहता था। टक्कर के बाद उसके साथी मौके पर पहुंच गए। नशे में धुत बाइक सवार शिवम की पिटाई कर दी। आकांश साहू ने शिवम का नाम और मोबाइल नंबर लिया और गाड़ी बनवाने को कहा। शिवम ने कहा कि अभी इलाज करवा लेता हूं। सुबह गाड़ी बनवा दूंगा। इसके बाद शिवम वहां से चला गया। आकांश गाड़ी के पास खड़ा होकर फोन पर बात कर रहा था। करीब 10 मिनट बाद बाइक से 8 लड़के पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए आकांश पर हमला कर दिया। सभी ने घेरकर मारपीट की। दो आरोपियों ने चाकू निकालकर उसके सीने और पैर पर वार किए। हार्ट में चाकू लगने से अत्यधिक रक्तस्राव हुआ। आकांश बचने के लिए गली में भागा, लेकिन कुछ दूरी पर गिर गया। उसके बाद आरोपी भाग गए। लोगों ने उसे रांझी सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां से मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मौके पर मिली क्षतिग्रस्त बाइक

घटना की सूचना पर सीएसपी सतीश साहू और थाना प्रभारी उमेश गोल्हानी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। कार के पास क्षतिग्रस्त बाइक मिली। सीसीटीवी फुटेज में सात से आठ युवक आकांश पर हमला करते दिखे। बाइक नंबर एमपी 20 केएस 0511 संजय सिंह ठाकुर के नाम दर्ज पाई गई, जिसने कुछ महीने पहले इसे शिवम को बेचा था। 12 फरवरी को रांझी थाना पुलिस ने विजय नगर जीरो डिग्री के पास से शिवम को मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने सात अन्य साथियों के नाम बताए।

स्कूल में मिड-डे मील बच्चों को हाथों पर दिया

टिफिन में सब्जी देकर घर भेजा, बीना में शिक्षक बोले- कई थाली में खाना देने बोला

न्यूज क्राइम फाइल

बीना ब्लॉक अंतर्गत एकीकृत शासकीय माध्यमिक स्कूल ढांड में मिड-डे मील बच्चों को थाली में भोजन परोसने के बजाय हाथ में रोटियां थमा दी जाती हैं और सब्जी उनके घर से लाए खाली टिफिन में डाल दी जाती है। स्कूल में करीब 60 छात्र अध्ययनरत हैं, जिन्हें खाना खाने के लिए घर भेजा जाता है। छात्रों ने बताया कि पहले उन्हें स्कूल में ही थाली में भोजन परोसा जाता था, लेकिन अब यह व्यवस्था बदल गई है। उन्हें हाथ में रोटियां देकर कहा जाता है कि खाना ले जाओ। सब्जी टिफिन में डालने के बाद बच्चे घर जाकर भोजन करते हैं और फिर लगभग डेढ़ घंटे बाद स्कूल लौटते हैं।

बच्चों को भोजन देकर घर भेजा जा रहा

छात्राओं के अनुसार, यह अव्यवस्था पिछले कुछ सालों से चल रही है। मध्यान्ह भोजन का

संचालन संगम स्व सहायता समूह करता है, लेकिन इसकी निगरानी व्यवस्था नहीं है। यह सवाल उठता है कि जब योजना का मुख्य उद्देश्य बच्चों को स्कूल में बैठाकर सामूहिक भोजन कराना है, तो उन्हें घर भेजने की यह मजबूरी क्यों है?

टीचर्स छुट्टी पर

स्कूल के प्रधानाध्यापक शिव मोहन माथुर अपनी शादी के कारण अवकाश पर हैं, जबकि प्रभारी प्रजेश खरे की ड्यूटी बोर्ड परीक्षा में लगी हुई है। स्कूल में एक नियमित शिक्षिका और तीन अतिथि शिक्षक पदस्थ हैं, जिनमें से एक अतिथि शिक्षक भी छुट्टी पर हैं। ऐसे में बच्चों के भोजन और पढ़ाई की जिम्मेदारी पर सवाल उठ रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, इस अव्यवस्था की सूचना अब तक वरिष्ठ अधिकारियों को नहीं दी गई है, जिससे सुधार की कोई पहल नहीं हो पा रही है।

पंचायत से बंटता है मध्यान्ह भोजन

जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद जैन ने बताया कि मध्यान्ह भोजन जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से संचालित नहीं किया जाता है।

वरिष्ठ अधिकारियों को करा चुका हूं अवगत

इस संबंध में प्रधानाध्यापक शिव मोहन माथुर ने बताया कि थाली में खाना देने के लिए मैंने कई बार समूह को बोला है। लेकिन वह थाली में खाना क्यों नहीं दे रहे हैं, यह मुझे नहीं पता है। इस संबंध में मैंने अपने विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को भी अवगत करा चुका हूं।

आज विधानसभा क्षेत्र मल्हारगढ़ की ढाणी में सड़क एवं मांगलिक भवन निर्माण कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया।
डिप्टी सीएम मप्र- जगदीश देवड़ा

मुरैना में ससुर-दामाद को गोली मारी...

मुरैना में 12 राउंड फायरिंग, जांघ-पैर को चीरती निकली बुलेट

न्यूज क्राइम फाइल

मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में बदमाशों ने ससुर-दामाद को घेरकर गोली मार दी। दामाद की जांघ को बुलेट चीरकर निकल गई, जबकि सुसर के पैर के गोली आर-पार हो गई। बताया जा रहा है कि 12 से ज्यादा राउंड फायरिंग हुई। 5 से ज्यादा खाली खोखे मिले हैं। मामला सराय छोला थाना क्षेत्र के केन्थरी गांव का है। जानकारी के मुताबिक घायलों की पहचान दामाद देवेंद्र गुर्जर (24) और ससुर औतार गुर्जर (50) के रूप में हुई है। देवेंद्र की जांघ के पास और औतार गुर्जर के पैर में गोली लगी है। दोनों की हालत नाजुक है। इलाज के लिए ग्वालियर रेफर किया गया है।

एक दिन पहले पीटा और धमकी दी, पुलिस ने कार्रवाई नहीं की

पीड़ितों के मुताबिक बुधवार को गीताराम, गिर्राज, छोटू गुर्जर और उनके साथियों ने देवेंद्र गुर्जर और बबलू गुर्जर को घेरा था। नेशनल हाईवे-44 पर जारह गांव चौराहे के पास मारपीट की गई थी। धमकी दी था कि अगर थाने में शिकायत की तो गोली मार देंगे। वारदात के बाद देवेंद्र गुर्जर और बबलू गुर्जर सराय छोला थाना पहुंचे। आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने मारपीट की धाराओं के तहत स्नढ्ढक्र भी दर्ज की, लेकिन आरोपियों को पकड़ने के लिए नहीं गई। सराय छोला पुलिस की लापरवाही की वजह से आरोपियों ने गुरुवार शाम करीब 5 बजे घेरकर गोली मार दी।

खून से सने ससुर दामाद ग्वालियर रेफर

परिजन के मुताबिक वारदात के बाद घायल ससुर-दामाद को फौरन नजदीकी अस्पताल लेकर गए। ससुर-दामाद खून से सने हुए थे। हालत बिगड़ने पर ग्वालियर रेफर कर दिया गया है। दोनों की हालत नाजुक बनी हुई है। वहीं मामले में सीएसपी दीपाली चन्दौरिया ने बताया कि घायलों के बयान दर्ज करने के लिए पुलिस टीम ग्वालियर भेजी गई है। मौके से कुछ कारतूस भी बरामद हुए हैं। पहले मारपीट की घटना को लेकर फायरिंग हुई है। आरोपियों को पकड़ने टीम जाने वाली थी, लेकिन वारदात हो गई। आरोपियों की तलाश जारी है।

क्लासमेट के कमरे में निर्वस्त्र मिला एमबीए छात्रा का शव

इंदौर में 3 दिन से लापता थी, कॉलेज के ग्रुप में आया था आपत्तिजनक वीडियो

न्यूज क्राइम फाइल

इंदौर में 25 वर्षीय एमबीए छात्रा का शव निर्वस्त्र हालत में उसके क्लासमेट के कमरे में मिला है। कमरे के बाहर ताला लगा हुआ था। छात्रा तीन दिन से लापता थी। 10 फरवरी की रात कॉलेज के आधिकारिक वॉट्सएप ग्रुप पर छात्रा के मोबाइल फोन से एक आपत्तिजनक वीडियो पोस्ट हुआ था। इसमें युवक का चेहरा इमोजी से छिपा था, जबकि छात्रा का चेहरा साफ दिख रहा है। परिजन का आरोप है कि आरोपी ने छात्रा के मोबाइल का इस्तेमाल कर उसके स्टेटस पर भी आपत्तिजनक वीडियो लगाए और उसके संपर्क में रहने वालों को भी भेजे। द्वारकापुरी पुलिस के मुताबि?क, घटना अंकल गली की है। सूचना मिलते स्नस्रु टीम मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई। जिस कमरे से शव मिला है, वह मंदसौर निवासी पीयूष धामनोदिया का है। जो उसने किराए से ले रखा है। दोनों सांवेर रोड स्थित एक संस्थान से एमबीए में सेकेंड सेमेस्टर की पढ़ाई कर रहे थे। घटना के बाद से ही पीयूष लापता है। क्लासमेट के साथ बर्थडे पार्टी में जाने की बात कही थी पुलिस के अनुसार, युवती 10 फरवरी से लापता थी। उस दिन वह आधार कार्ड ठीक कराने की बात कहकर पिता के साथ घर से निकली थी। पिता ने उसे कलेक्टोरेट के पास छोड़ा था। वहां से उसने अपनी छोटी बहन को फोन कर बताया कि वह अपने क्लासमेट पीयूष के साथ बर्थडे पार्टी में जा रही है। रात 11 बजे तक लौट आएगी। बहन ने कहा कि वह यह बात खुद पिता को बता दे। इसके बाद युवती घर नहीं लौटी और उसका मोबाइल भी बंद हो गया।

पिता बोले- यातनाएं देकर हत्या की गई युवती के पिता ने बताया कि थाने से फोन आया था कि वे तुरंत पीयूष के कमरे पर पहुंचें, पुलिस टीम भी वहां आ रही है। बेटी की पहचान उन्होंने उसके मोजों से की। पिता का आरोप है कि छात्रा को यातनाएं देकर हत्या की गई। उसके कई वीडियो वायरल किए गए। मानसिक रूप से प्रताड़ित और ब्लैकमेल किया गया। उन्होंने कहा कि बेटी ने कुछ बातें छोटी बहन को बताई थीं, जिससे यह जानकारी सामने आई है।

प्रबंधन ने पिता को बुलाया, दोनों के फोन बंद आ रहे थे बताया जा रहा है कि उसी रात कॉलेज के वॉट्सएप ग्रुप में युवती का एक आपत्तिजनक वीडियो पोस्ट किया गया, जिसमें युवक का चेहरा इमोजी से ढंका हुआ था, जबकि युवती का चेहरा साफ दिख रहा था। कॉलेज प्रबंधन ने वीडियो हटाकर अगले दिन 11 फरवरी को युवती के पिता को बुलाया। बताया कि दोनों के मोबाइल फोन बंद आ रहे हैं। इसके बाद परिजन रावजी बाजार थाने पहुंचे, जहां से उन्हें पंढरीनाथ थाने भेजा गया और देर रात गुमशुदगी की एफआईआर दर्ज हुई। पुलिस ने गंभीरता नहीं दिखाई, टालमटोल करती रही 12 फरवरी को पूरे दिन युवती की तलाश चलती रही, लेकिन परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने गंभीरता नहीं दिखाई और टालमटोल करती रही। परिवार की आशंका के आधार पर एक पुलिसकर्मी युवती के क्लासमेट पीयूष के कमरे तक पहुंचा भी, लेकिन केवल बाहर से ताला लगाकर मकान मालिक को किसी के आने पर सूचना देने की बात कहकर लौट गया। कमरे से बदबू आने की शिकायत मिलने पर खुला राज शुक्रवार को अंकल गली स्थित उसी कमरे से बदबू आने की शिकायत मिलने पर द्वारकापुरी पुलिस पहुंची। ताला खोलकर अंदर प्रवेश किया, जहां युवती का शव मिला। परिजनों का आरोप है कि आरोपी युवक ने युवती के मोबाइल से उसके साथ के आपत्तिजनक वीडियो स्टेटस पर लगाने के साथ-साथ फोन में सेव नंबरों पर भी भेजे थे। एडिशनल डीसीपी दिशेष अग्रवाल के मुताबिक, पीयूष के पिता घनश्याम मंदसौर में किराना दुकान चलाते हैं। उसकी बहन की सगाई हो चुकी है।

महाराष्ट्र निकाय चुनाव में भाजपा-शिवसेना गठबंधन की महाविजय पर सभी महाराष्ट्रवासियों का हार्दिक अभिनंदन! महाराष्ट्र की जनता ने आदरणीय प्रधानमंत्री श्री @narendramodi जी के नेतृत्व में सुशासन, जनकल्याण और विकास को चुनकर नया इतिहास रचा है।
शिवराज सिंह चौहान-केंद्रीय कृषि मंत्री

रेप के आरोपी उत्तम स्वामी की जबलपुर में कथा

महामंडलेश्वर ने खुद को कमरे में बंद किया, राजस्थान की युवती ने लगाए हैं आरोप

न्यूज क्राइम फाइल

रेप के आरोपों में घिरे श्री पंच अग्नि अखाड़े के महामंडलेश्वर और कथावाचक उत्तम स्वामी इन दिनों जबलपुर में हैं। वे यहां 10 एकड़ में फैले अपने आश्रम में भागवत कथा कर रहे हैं। कथा का आयोजन 9 फरवरी से 15 फरवरी तक है। आश्रम भेड़ाघाट के हीरापुर में है। शुक्रवार को एक मीडिया हाऊस ने उत्तम स्वामी से बात करने की कोशिश की, लेकिन शिष्यों ने मिलने नहीं दिया। दोपहर 2 बजे शुरू होने वाली कथा साढ़े 3 बजे तक भी शुरू नहीं हो सकी। महामंडलेश्वर अपने कक्ष से बाहर ही नहीं निकले।

खुद को कमरे में बंद किया

सूत्रों के मुताबिक, उत्तम स्वामी ने खुद को कमरे में बंद कर लिया है। रेप के आरोपों पर उनकी ओर से कोई आधिकारिक बयान भी सामने नहीं आया है। श्री पंच अग्नि अखाड़ा (शंभू पंच अग्नि अखाड़ा) का मुख्यालय उत्तर प्रदेश के वाराणसी में है। इसकी शाखाएं प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन, नासिक और जूनागढ़ में भी हैं। अखाड़े के महामंडलेश्वर ईश्वरानन्द महाराज को ध्यान योगी उत्तम स्वामी के नाम से भी जाना जाता है। उत्तम स्वामी का जन्म महाराष्ट्र के अमरावती जिले के लोहगांव में हुआ था।

राजस्थान की युवती ने दिल्ली पुलिस को किया था ई-मेल

दरअसल, उत्तम स्वामी पर राजस्थान निवासी एक युवती ने दुष्कर्म करने के आरोप लगाए हैं। युवती ने 12 फरवरी को दिल्ली पुलिस कमिश्नर को ई-मेल भेजकर सुरक्षा की मांग भी

महामंडलेश्वर उत्तम स्वामी

की है। पीड़िता का कहना है कि एफआईआर दर्ज करवाने की भनक लगते ही उसे धमकियां मिलने लगी हैं। उत्तम स्वामी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से संपर्क साधने की कोशिश कर रहे हैं। उनके करीबी लोग समझौते का दबाव बना रहे हैं। दयुवती ने ई-मेल में लिखा है कि उसके और उसके परिवार के बारे में बेहद निजी जानकारी रखी जा रही है। उसे नुकसान पहुंचाए जाने की आशंका है।

पीड़िता ने कहा- धर्म की आड़ में कई साल किया यौन शोषण

युवती ने आरोप लगाया है कि उत्तम स्वामी कई साल से उसका यौन शोषण कर रहा था। जब वह नाबालिग थी, तभी से धर्म की आड़ में उसके साथ गलत काम किए गए। उसने विरोध किया तो उसे डराया-धमकाया गया। उत्तम स्वामी के प्रभाव के कारण लंबे समय तक वह शिकायत नहीं कर सकी। पीड़िता ने यह भी कहा है कि उसके पास आरोपों से जुड़े सबूत हैं और वह कानून की मदद लेना चाहती है। उसने आशंका जताई है कि आरोपी के प्रभाव के कारण साक्ष्यों से छेड़छाड़ की जा सकती है।

पीड़िता के अंग्रेजी में भेजे गए ईमेल का हिन्दी में अनुवाद

मैं (पीड़िता) अपने लिए तत्काल पुलिस सुरक्षा का औपचारिक अनुरोध करने के लिए यह पत्र लिख रही हूं। मुझे उत्तम स्वामी (आरोपी) द्वारा गंभीर यौन अपराध (बलात्कार) का शिकार बनाया गया है। मैं भारतीय न्याय संहिता भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के अंतर्गत औपचारिक शिकायत दर्ज कराने वाली हूं। आरोपी स्वयंभू आध्यात्मिक व्यक्ति है, जिसका काफी प्रभाव और बड़ा अनुयायी वर्ग है। उसे हाल ही में मेरे द्वारा कानूनी कार्रवाई करने के इरादे की जानकारी मिल गई है। तब से मुझे एफआईआर दर्ज होने से रोकने और चुप कराने के लिए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष धमकियां दी जा रही हैं।

आरोपी के गॉडमैन जैसे प्रभाव के कारण गवाहों को प्रभावित करने, शारीरिक डराने-धमकाने और सबूत नष्ट करने का गंभीर खतरा है। आरोपी के पास मेरे आवागमन पर नजर रखने के संसाधन हैं, जिससे मैं अत्यंत असुरक्षित महसूस कर रही हूं। साथ ही, मीडिया में खबरें आने और आरोपी को मेरी पहचान पता चलने के कारण मेरी सुरक्षा खतरे में है। आरोपी ने धर्म और आस्था के नाम पर मुझे बहला-फुसलाकर कई स्थानों पर मेरे साथ बलात्कार किया है। बलात्कार के अतिरिक्त उस पर धोखाधड़ी, छल और आपराधिक विश्वासघात के भी आरोप हैं। मैं निवेदन करती हूं कि मेरे वर्तमान निवास पर 24म7 पुलिस सुरक्षा प्रदान की जाए। कृपया मेरी पहचान और वर्तमान स्थान को गोपनीय रखा जाए। हमें आपके कार्यालय की प्रतिबद्धता पर विश्वास है और आशा है कि भय के कारण न्याय बाधित नहीं होने दिया जाएगा।

कांग्रेस ने की जांच और कार्रवाई की मांग

उत्तम स्वामी पर लगे दुष्कर्म के आरोपों को लेकर मध्य प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के मीडिया सलाहकार केके मिश्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर ट्वीट कर मामले में भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े नेताओं की जांच और कार्रवाई की मांग की है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी के मीडिया सलाहकार केके मिश्रा ने एक्स पर यह ट्वीट किया है।

कोल माफिया ने रेंजर को पीटा, वर्दी फाड़ीः शहडोल डीएफओ बोलीं- पुलिस के संरक्षण में अवैध उत्खनन; 24 घंटे बाद एफआईआर

न्यूज क्राइम फाइल

शहडोल में कोल माफिया ने वन विभाग के रेंजर को पीटा। उनकी वर्दी फाड़ दी। डीएफओ के साथ भी गाली-गलौज की। माफिया ने पहले गांव वालों को भी पीटा। अवैध कोयले से भरे ट्रैक्टर को बीच सड़क पर डंप करके भाग गए। शिकायत के बाद वन विभाग की टीम शिकायत के बाद पहुंची थी। बड़ी बात ये है कि घटना के बाद भी 24 घंटे तक पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की। गुरुवार देर रात मामले में केस दर्ज किया गया। डीएफओ श्रद्धा पंद्र का आरोप है कि पुलिस ने कार्रवाई में सहयोग नहीं किया। यहां तक कि अधिकारियों ने फोन तक नहीं रिसीव किया। घटना खेतावली गांव के ऊपर टोला में 11 फरवरी की रात की है। वन विभाग को सूचना मिली थी कि ग्रामीण अवैध कोयला परिवहन कर रहे ट्रैक्टर

डीएफओ बोलीं- पुलिस नहीं लिख रही थी एफआईआर

डीएफओ ने बताया कि पुलिस कोल माफिया के पक्ष में काम कर रही है। रेंजर घटना के बाद रात 11 बजे तक सोहागपुर थाना पहुंचे, लेकिन सुबह 4 बजे तक एफआईआर दर्ज नहीं की गई। रेंजर रामनरेश विश्वकर्मा का कहना है कि पुलिस ने तीन बार आवेदन तीन बार बदलवाया। पुलिस कह रही थी कि आवेदन उनकी तरह नहीं, बल्कि पुलिस के अनुसार लिखा जाए।

को पकड़े हैं। ग्रामीणों ने पुलिस और वन विभाग दोनों को शिकायत की थी। वन विभाग की टीम पहले मौके पर पहुंची, जबकि पुलिस टीम देर से पहुंची। वन विभाग की टीम को अकेला पाकर कोल माफिया हमला कर दिया। उन्होंने रेंजर की गाड़ी रोकी, उन्हें बाहर निकाला और मारपीट की। बाद में मौके पर पहुंची। डीएफओ श्रद्धा पंद्रे ने बताया कि 11 फरवरी की रात ट्रैक्टर पकड़ने की सूचना मिली थी। इस पर रेंजर रामनरेश विश्वकर्मा को मौके पर भेजा। मैं बुढ़ार में मीटिंग के बाद घटनास्थल के लिए रवाना हुई। हथियारों से लैस आरोपियों ने रेंजर की गाड़ी रोक ली, घेर लिया। रेंजर को गाड़ी से बाहर खींचा गया और उनके साथ मारपीट हुई, उनकी वर्दी भी फट गई। रेंजर जैसे-तैसे वहां से भाग निकले। मुझे घटना की जानकारी दी। मैंने उन्हें तुरंत पुलिस से मदद लेने और खुद आला अधिकारियों को सूचना देने को कहा।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक उदय प्रताप सिंह चौहान द्वारा कविता ऑफसेट प्रिंटर्स, एमपी नगर जोन -1 भोपाल (म. प्र.) से मुद्रित एवं 1209 पुष्पा नगर चांदबड़, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- उदय प्रताप सिंह चौहान, मो.7223003441 (प्रति सोमवार को प्रकाशित) समाचारों से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) RNI.NO MPHIN/2015/63623